दैनिक जागरण 04/12/2024

किसानों को गेहूं की खेती सिखाएगा क्राप कैफेटेरिया

जासं ,कानपुर : छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में गेहूं खेती के लिए क्राप कैफेटेरिया खोला गया है। इसमें किसानों को गेहूं की 20 प्रजातियों की खेती सीखने का मौका मिलेगा। कैफेटेरिया में आकर किसान जान सकेंगे कि गेहूं की कौन सी प्रजाति की क्या खासियत है और फसल उत्पादन में किस तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है।

सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र में गेहूं बोआई की तैयारी की गई ● सीएसए

कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में इस साल रबी सीजन में विज्ञानियों की देखरेख में गेहूं की खेती कराई जा रही है। यहां एक साथ गेहूं की 20 प्रजातियों को बोया जा रहा है। इससे किसान जब यहां पहुंचेंगे तो उन्हें अलग-अलग प्रजातियों की पौध बढ़वार, उत्पादन और रोग नियंत्रण के बारे में जानकारी मिल सकेगी। इससे किसान खुद यह फैसला कर सकेंगे कि कौन सी प्रजाति की खेती उनके खेत के लिए उपयोगी है। प्रजातियों का प्रति हेक्टेयर उत्पादन भी बताया जाएगा। केंद्र के मृदा विज्ञानी डा. खलील खान ने बताया कि किसानों को इस कैफेटेरिया में नई प्रजाति के बीजों और पौधों के साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाएगी। यहां जिन प्रजातियों के गेहूं की बोआई कराई जा रही है उनमें सीएसए में विकसित प्रजाति के अलावा देश के अन्य कृषि संस्थानों से विकसित प्रजातियों को भी शामिल किया गया है।

हिंदुस्तान 04/12/2024

डॉ. आनंद झा, फैजुद्दीन, बिल्लू ठाकुर, छोटे लाला, प्रभात पाल, अमित
... सिंह, करन रहे।

सीएसए : केवीके में बना क्रॉप कैफेटेरिया

कानपुर। सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में किसानों के लिए क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है। उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाएगी। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया, विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां बोई गई हैं।

अंक-270 कानपुर, बुधवार 4 दिसम्बर 2024 पृष्ठ-8

प्रकाशित

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

KK
WS
आधार''
संख्या :
23/2018-20
No :
914/55306

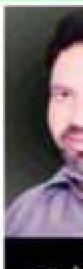

ोर्स ने चलाया कता अभियान

यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स को गंगा स्वच्छता के लिए जागरूक किया और बताया कि गंगा नदी को साफ रखने की लिए हमें कई बातों का ध्यान रखना होगा, घाटों पर पूजा करते समय पूजा सामग्री को गंगा में न डाले,

की गश्त, जागरूकता अभियान निरंतर कर रही है इस अवसर पर गंगा टास्क फोर्स के सूबेदार ललित मोहन ने कॉलेज परिसर में उपस्थित छात्राओं और 17

प्लास्टिक और केमिकल से बनी कोई भी वस्तु गंगा नदी में न डाले तथा साथ ही सभी छात्राओं को गंगा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और पौधे वितरित किए गए।

लिस की लापरवाही के कारण किशनगंज म, नो एंट्री में प्रवेश कर रहे बड़े ट्रक

में लापरवाह यातायात पुलिस कर्मी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए पूरे दिन लगा रहता है जाम हापुड़ का किशनगंज शहर के मुख्य मार्गों में से एक है जो कि हापुड़ की गढ़ रोड से न्यू कासिमपुरा, मीनाक्षी रोड, चंडी रोड, नवी करीम, सादकपुरा आदि मार्गों को जोड़ती है। ऐसे में यहां से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या

तेल के प्रतिष्ठान पर माल उतारने के लिए नो एंट्री में यातायात पुलिसकर्मी वाहनों को प्रवेश करने देते हैं जिसकी वजह से पूरे ही दिन यह खेल चलता है और लोगों को परेशानी होती है। कई कई ट्रक सड़क पर खड़े रहते हैं जो कि दोनों ओर का रास्ता घेर लेते हैं लेकिन यातायात पुलिस मामले में

किसानों हेतु केवीके पर बना कैफेटेरिया, कृषकों को होगा लाभ

आज का कानपुर

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर किसानों के लिए क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है जिसमें उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाएगी कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को फसलों के प्रबंधन, प्रजातियां, मिट्टी और पानी के संरक्षण कीट, रोग आदि बारे में बताया जाता है ताकि अच्छी पैदावार हो सके कृषकों की आय में इजाफा करने के लिए प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। किसानों के लिए नई विधियों से बीजों को चयनित करना क्रॉप कैफेटेरिया में सिखाया जाता है केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां बोई गई हैं जिसमें किसान जलवायु एवं मिट्टी अनुकूल प्रजातियों का क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार चयन कर सकेंगे केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, एसआरएफ शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का क्रॉप कैफेटेरिया लगवाने में विशेष सहयोग रहा।

काशनार्थ
कृपया
0099, या
va.knp@
भेजें ।

वर्ष-18 अंक-39 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 04 दिसम्बर 2024

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

RNI No.- UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

किसानों हेतु केवीके पर बना कैफेटेरिया, कृषकों को होगा लाभ

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर किसानों के लिए क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है जिसमें उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को फसलों के प्रबंधन,प्रजातियां, मिट्टी और पानी के संरक्षण कीट,रोग आदि बारे में बताया जाता है। ताकि अच्छी पैदावार हो सके। कृषकों की आय में इजाफा करने के लिए प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। किसानों के लिए नई विधियों से बीजों को चयनित करना क्रॉप कैफेटेरिया में सिखाया जाता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां बोई गई हैं। जिसमें किसान जलवायु एवं मिट्टी अनुकूल प्रजातियों का क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार चयन कर सकेंगे। केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, एसआरएफ शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का क्रॉप कैफेटेरिया लगवाने में विशेष सहयोग रहा।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • बुधवार • 4 दिसम्बर • 2024

कृषि विश्वविद्यालय की पहल

नये बीजों व पौधों की मिलेगी जानकारी

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर किसानों के लिए क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है, जिससे उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधे के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाएगी।

अब कृषि विज्ञान केंद्र में फसल प्रबंधन भी सिखाया जायेगा

कृषि विज्ञान केंद्र में बनाया गया कैफेटेरिया। फोटो : एसएनबी

कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को फसलों के प्रबंधन, प्रजातियों, मिट्टी और पानी के संरक्षण, कीट रोग आदि बारे में बताया जाता है, ताकि अच्छी पैदावार हो सके। कृषकों की आय में इजाफा करने के लिए प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं।

किसानों के लिए नई विधियों से बीजों को प्रदर्शित करना क्रॉप कैफेटेरिया में सिखाया जाता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां बोई गई हैं, जिससे किसान जलवायु एवं मिट्टी अनुकूल प्रजातियों का क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार चयन कर सकेंगे। केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, एसआरएफ शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का क्रॉप कैफेटेरिया लगवाने में विशेष सहयोग रहा।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 162 कानपुर, बुधवार 04 दिसम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

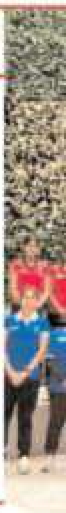

किसानों हेतु केवीके पर बना कैफेटेरिया, कृषकों को होगा लाभ

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर किसानों के लिए क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है जिसमें उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को फसलों के प्रबंधन,प्रजातियां, मिट्टी और पानी के संरक्षण कीट,रोग आदि बारे में बताया जाता है। ताकि अच्छी पैदावार हो सके। कृषकों की आय में इजाफा करने के लिए प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। किसानों के लिए नई विधियों से बीजों को चयनित करना क्रॉप कैफेटेरिया में सिखाया जाता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां बोई गई हैं। जिसमें किसान जलवायु एवं मिट्टी अनुकूल प्रजातियों का क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार चयन कर सकेंगे। केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, एसआरएफ शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का क्रॉप कैफेटेरिया लगवाने में विशेष सहयोग रहा।

वर्ष : 16 अंक : 327 लखनऊ बुधवार, 4 दिसंबर 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

विश्ववार्ता

www.vishwavarta.com

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

विज्ञान केंद्र ने किसानों के लिए बनाया क्रॉप कैफेटेरिया

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में किसानों के लिए एक क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है। इस क्रॉप कैफेटेरिया में किसानों को नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाती है । किसानों को इसके साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाती है । कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को फसलों के प्रबंधन, प्रजातियां, मिट्टी और पानी के संरक्षण की जानकारी देने के साथ ही विभिन्न कीट, फसलों के रोग के बारे में भी बताया जाता है। ताकि किसानों के खेतो में अच्छी पैदावार हो सके।

इस कैफेटेरिया में कृषकों की आय में इजाफा करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। किसानों के लिए नई विधियों से बीजों को चयनित करना उन्हें इस क्रॉप कैफेटेरिया में सिखाया जाता है।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि किसानों द्वारा विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां बोई गई हैं। अब किसान जलवायु एवं मिट्टी अनुकूल प्रजातियों का क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार चयन कर सकते है।

केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत, एसआरएफ शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला द्वारा इस क्रॉप कैफेटेरिया के निर्माण एवं संचालन में विशेष रूप से सहयोग मिल रहा है।

दैनिक
नेशनल एक्सप्रेस
हर खबर समय पर

किसानों के लिए केवीके पर बना कैफेटेरिया, कृषकों को होगा लाभ

कानपुर। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए सीएसए के कृषि वैज्ञानिक बराबर तकनीक पर ध्यान दे रहे हैं। इसी के तहत सीएसए के अधीन कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) दलीप नगर में क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है। इससे किसानों को नई विधियों से मिट्टी के अनुरुप बीजों को चयनित करने की जानकारी मिल सकेगी। इसके साथ ही फसलों पर लगने वाले रोगों आदि के विषय में भी किसानों को जानकारी दी जाएगी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर किसानों के लिए क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है, जिसमें उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

राजीव सिंह द्वारा आए हुए सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

किसानों हेतु केवीके पर बना कैफेटेरिया, कृषकों को होगा लाभ

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर किसानों के लिए क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है जिसमें उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को फसलों के प्रबंधन,प्रजातियां, मिट्टी और पानी के संरक्षण कीट,रोग आदि बारे में बताया जाता है। ताकि अच्छी पैदावार हो सके। कृषकों की आय में इजाफा करने के लिए प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। किसानों के लिए नई विधियों से बीजों को चयनित करना क्रॉप कैफेटेरिया में सिखाया जाता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां बोई गई हैं। जिसमें किसान जलवायु एवं मिट्टी अनुकूल प्रजातियों का क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार चयन कर सकेंगे। केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, एसआरएफ शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का क्रॉप कैफेटेरिया लगवाने में विशेष सहयोग रहा।

Select text

अमर भारती
04 प्रदेश, 06 संस्करण
एक उम्मीद
www.amarbharti.com

किसानों के लिए केवीके पर बना कैफेटेरिया

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर किसानों के लिए क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है जिसमें उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को फसलों के प्रबंधन, प्रजातियां, मिट्टी और पानी के संरक्षण कीट,रोग आदि बारे में बताया जाता है। ताकि अच्छी पैदावार हो सके। कृषकों की आय में इजाफा करने के लिए प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। किसानों के लिए नई विधियों से बीजों को चयनित करना क्रॉप कैफेटेरिया में सिखाया जाता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां बोई गई हैं। केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, एसआरएफ शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का क्रॉप कैफेटेरिया लगवाने में विशेष सहयोग रहा।

गी

सुनवाई
णना
रित

न ग्राम प्रधान
कर रही थी।
त हुए मुरली
णना के बाद
जिलाधिकारी
कर आरोप
ा कर रहे
पड़े मतों में
इसे (मुरली
स हुए लिखे
ों ने 22 मतों
नन पर मुरली
सी स्थान पर
मई 2022
ा था जिसके
ाद वर्मा द्वारा
गुहार लगाई
लने के बाद
2023 को
में पुनः

अवैध
थी अ

अमर भ

पाली, हरदो
अजय सिंह हत्याक
पुलिस ने खुलास
सिंह की अवैध स
से गला घोटकर ह
ने मंगलवार को
गिरफ्तार कर लिय
कार्रवाई की जा र
बंद पड़े मकान के
खून से लथपथ श
ज्ञात हो कि प
अनंगपुर गांव में
के 11 बजे गांव
जगपाल के बंद
में अजय सिंह पुत्र
ग्राम अनंगपुर का
पड़ा मिला था। पु
में लेकर पोस्टमा
था। घटना का ख
एसपी ने कई टीम
शाम को पुलिस
जादौन अनंगपुर मे
और घटनास्थल
उपरांत उन्होंने

रहस्य संदेश 04/12/2024 कानपुर/ शाहजहांपुर/ उन्नाव

कानपुर – किसानों हेतु केवीके पर बना कैफेटेरिया, कृषकों को होगा लाभ

रहस्य संदेश ब्यूरो

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर किसानों के लिए क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है जिसमें उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को फसलों के प्रबंधन,प्रजातियां, मिट्टी और पानी के संरक्षण कीट,रोग आदि बारे में बताया जाता है। ताकि अच्छी पैदावार हो सके। कृषकों की आय में इजाफा करने के लिए प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। किसानों के लिए नई विधियों से बीजों को चयनित करना क्रॉप कैफेटेरिया में सिखाया जाता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध

संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां बोई गई हैं। जिसमें किसान जलवायु एवं मिट्टी अनुकूल प्रजातियों का क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार चयन कर सकेंगे। केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, एसआरएफ शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का क्रॉप कैफेटेरिया लगवाने में विशेष सहयोग रहा।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
क :319 कानपुर, बुधवार 4 दिसम्बर 2024 RNI UPHIN/2010/47220 पृष्ठ :

किसानों हेतु केवीके पर बना कैफेटेरिया, कृषकों को होगा लाभ

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर किसानों के लिए क्रॉप कैफेटेरिया बनाया गया है जिसमें उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को फसलों के प्रबंधन,प्रजातियां, मिट्टी और पानी के संरक्षण कीट,रोग आदि बारे में बताया जाता है। ताकि अच्छी पैदावार हो सके। कृषकों की आय में इजाफा करने के लिए प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। किसानों के लिए नई विधियों से बीजों को चयनित करना क्रॉप कैफेटेरिया में सिखाया जाता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां बोई गई हैं। जिसमें किसान जलवायु एवं मिट्टी अनुकूल प्रजातियों का क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार चयन कर सकेंगे । केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, एसआरएफ शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का क्रॉप कैफेटेरिया लगवाने में विशेष सहयोग रहा।

क्राप कैफेटेरिया से किसानों को नई प्रजाति का चलेगा पता

- कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में शुरू हुआ काम
- 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां अभी बोई गई

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात : किसानों को अब फसलों की नई प्रजाति के बीजों व पौधों के बारे में आसानी से पता चल सकेगा। कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में क्राप कैफेटेरिया बनाया जा रहा है। यहां वर्ष भर नई प्रजाति के अलग अलग फसलों को बोया जाएगा जिसके बारे में किसान आसानी से जान सकेंगे।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर किसानों के लिए क्राप कैफेटेरिया बनाने का काम शुरू हो गया है। इसमें उन्हें नई प्रजाति के बीजों और पौधों के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही फसल प्रबंधन से आय बढ़ाने की भी जानकारी दी जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को फसलों के प्रबंधन, प्रजातियां, मिट्टी और पानी के संरक्षण कीट, रोग आदि बारे में बताया जाता है ताकि अच्छी पैदावार हो सके। किसानों की आय में इजाफा करने के लिए प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। किसानों के लिए नई विधियों से बीजों को चयनित करना क्राप कैफेटेरिया में सिखाया जाता है। केंद्र के विज्ञानी डा. खलील खान ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की ओर से नव विकसित 20 से अधिक गेहूं की प्रजातियां अभी बोई गई हैं। इसमें किसान जलवायु एवं मिट्टी अनुकूल प्रजातियों का क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार चयन कर सकेंगे। केंद्र के पशुपालन विज्ञानी डा. शशिकांत, शुभम यादव व गौरव शुक्ला का सहयोग रहा।

दैनिक जागरण कानपुर दे:04/12/2024

क्राप कैफेटेरिया में काम करते श्रमिक व मौजूद विज्ञानी डा . खलील खान (दाएं) • स्वयं